

## सबसे हल्की बुलेट प्रूफ जैकेट

### चर्चा में क्यों?

[रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन \(DRDO\)](#) के रक्षा सामग्री तथा भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतष्ठान (DMSRDE), कानपुर ने BIS 17051 गोला-बारूद के स्तर 6 से सुरक्षा के लिये देश में सबसे हल्के बुलेट प्रूफ जैकेट को सफलतापूर्वक विकसित किया है।

### मुख्य बढि:

- इस बुलेट प्रूफ जैकेट का **टर्मिनल बैलस्टिक रिसर्च लेबोरेटरी (TBRL) चंडीगढ़** में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।
- यह जैकेट एक नए डज़ाइन दृष्टिकोण पर आधारित है, जहाँ नई प्रक्रियाओं के साथ नवीन सामग्री का उपयोग किया गया है।
- इस जैकेट का फ्रंट **हार्ड आर्मर पैनल (HAP)** इन-कंजंक्शन वदि (ICW) और स्टैंड-अलोन डज़ाइन दोनों में कई हिट्स को मात देता है।
- एर्गोनॉमिक रूप से डज़ाइन किया गया फ्रंट HAP पॉलिमर बैकगि के साथ मोनोलथिक सरिमिक प्लेट से बना है जो ऑपरेशन के दौरान पहनना आसान और आराम को बढ़ाता है।

### टर्मिनल बैलस्टिक अनुसंधान प्रयोगशाला (TBRL)

- TBRL चंडीगढ़ स्थित एक महत्त्वपूर्ण DRDO प्रयोगशाला है। यह विभिन्न उच्च वस्फोटकों के वस्फोट, इनका विकास, घातकता, उत्पादन, प्रसंस्करण और लक्षण वर्णन के साथ ही हथियारों, गोले व अन्य गोला-बारूद के वखंडन अध्ययन, बर्भो, मसिइलों एवं हवाई प्रणालियों की कैप्टिव उडान परीक्षण, विभिन्न सुरक्षात्मक प्रणालियों जैसे बॉडी कवच, वाहन कवच तथा छोटे हथियारों के गोला-बारूद के खिलाफ हेलमेट आदि का बैलस्टिक मूल्यांकन में सक्रिय रूप से संलग्न है।